निजी बस संचालन प्रभावित नहीं हो इसलिए अटका इंटरसिटी का ठहराव

रेलवे अफसर का दावा: दो प्रमुख दलों के नेता ही नहीं चाहते, क्योंकि उन्हीं की चलती हैं निजी बसें

भास्कर संवाददाता | धौलपुर

अजमेर-आगरा इंटरसिटी का ग्वालियर तक विस्तार व धौलपुर रेलवे स्टेशन पर ठहराव की मांग दो प्रमुख दलों के नेताओं की राजनीति में अटक कर रह गई है। यह खुलासा रेलवे के एक अधिकारी ने किया है।

धौलपुर प्रदेश के पूर्वी छोर पर बसा राज्य का सबसे अलग थलग जिला है। यूं तो यहां से राजधानी जयपुर जाने के लिए कई साधन है। लेकिन गरीब, किसान व छात्रों के हिसाब से अभी तक कोई उचित साधन नहीं है। इससे इन्हें भारी परेशानी के साथ अधिक रुपए व समय की बर्बादी करनी पड़ती है। इस बीच इन्हें आगरा- अजमेर इंटरसिटी का ग्वालियर तक विस्तार व धौलपुर में ठहराव ही एक मात्र सहारा नजर आ रहा है। इसकी कई बार विभिन्न संगठनों व लोगों द्वारा मांग भी की जा चुकी है। लेकिन इसे जिले के ही दो दलों के नेता पूरा नहीं होने दे रहे हैं। क्योंकि इनकी खुद की कई निजी बसें रोजाना धौलपुर से जयपुर के लिए जाती हैं।

यह खुलासा भास्कर से हुई बातचीत में पहचान उजागर ना करने की शर्त पर रेलवे के ही एक अधिकारी ने किया है। अधिकारी ने बताया कि जब भी अजमेर- आगरा इंटरसिटी के विस्तार की बात होती है तभी दोनों पार्टी के नेता एकत्रित होकर उच्च अधिकारी व मंत्रियों के पास पहुंच जाते हैं। इससे हर बार मामला अटक जाता है। हालांकि पिछले काफी समय से इस ट्रेन के ठहराव की मांग विभिन्न संगठनों की ओर से की जा रही है। लेकिन मांग को पूरा नहीं किया जा सका है।

लोगों को इसलिए रास नहीं आ रही उदयपुर-खजुराहो इंटरसिटी

उदयपुर- खजुराहो इंटरसिटी शाम 4:35 पर धौलपुर आती है। जो कि रात करीब 10 बजे जयपुर पहुंचाती है। तब तक सिटी बसों का संचालन बंद हो जाता है व जिस कार्य से जाता है उसके लिए रात को रुकना ही पड़ता है। स्टेशन से कहीं जाना है तो टैक्सी वाले 100 से 200 रुपए तक वसूल करते हैं। यदि होटल में रुकता है तो 700 रुपए से कम खर्चा नहीं आता। जो कि गरीब, किसान व छात्रों के लिए देना मुश्किल है। इसलिए इस ट्रेन से करीब 150 लोग ही रोजाना जयपुर जाना पसंद करते हैं।

धौलपुर से जयपुर के 180 से 250 रुपए तक करने पड़ते हैं खर्च

शाम को जाने वाली निजी बसों से कोई जयपुर जाता है तो सुबह 5 बजे पहुंचता है। ऐसे में सुबह उसके सामने नहाने धोने व सुबह के अन्य जरूरी कार्य के लिए समस्या खड़ी हो जाती है। रातभर ठीक से बस में सो भी नहीं पाता व जयपुर पहुंच कर दिन में कार्य निपटाने होते हैं तथा शाम को फिर रात की बस से धौलपुर के लिए रवाना होता है। इससे छोटे से कार्य के लिए भी दो रात व एक दिन खराब होता है। सीट का एक तरफ से प्रति व्यक्ति का किराया 180 व स्लीपर का 250 रुपए है। साथ ही अन्य खर्चे मिलाकर महंगा पड़ता है।

धौलपुर. इंटरसिटी से धौलपुर स्टेशन पर उतरे चंद यात्री।

सेवा शुरू हो तो लोगों को मिलेगा लाभ

दैनिक यात्री सेवा समिति के महासचिव गोपाल दुवे एडवोकेट ने बताया कि धौलपुर के लोगों के लिए जयपुर व अजमेर जाने अजमेर आगरा इंटरसिटी से अच्छा माध्यम दूसरा कोई नहीं हो सकता। इससे बहुत अच्छी सुविधा है। सुबह 4 बजे खाना साथ लेकर घर से निकले व रात 11 बजे तक जयपुर के सारे कार्य निपटा कर सस्ते किराए एवं अन्य खर्चों में घर वापस आ सकते हैं। लोग अक्सर एसएमएस अस्पताल, सरकारी व निजी कंपनियों में साक्षात्कार देने, सरकारी कार्यों, हाईकोर्ट आदि जाते हैं। ये सभी कार्य दिन के हैं। राजस्थान बोर्ड अजमेर व राजस्व कार्यालय अजमेर जाने वालों को भी लाभ मिलेगा। इसकी मांग पिछले काफी समय से कई संगठनों की ओर से की जा रही है।

फैक्ट फाइल

1500 लोग रोजाना जाते हैं जयपुर

150 यात्री जाते हैं इंटरसिटी से

100 लोग जाते हैं रोडवेज बसों से।

12 निजी बसें जाती हैं हर रोज जयपुर

अजमेर आगरा इंटरसिटी से ये मिलेगा लाभ

इंटरसिटी का ग्वालियर तक विस्तार व धौलपुर में ठहराव लाभदायी साबित होगा। यदि ये शुरू होती है तो धौलपुर से जाने का समय सुबह करीब 4 बजे व जयपुर पहुंचने का साढ़े 9 बजे होगा। जहां पहुंचने के बाद धौलपुर का व्यक्ति सिटी बसों का सहारा लेकर दिनभर कार्य करने के बाद शाम को 5 बजे इसी ट्रेन में बैठकर वापस रवाना हो जाएगा। जो कि रात करीब 11 बजे तक धौलपुर आ जाएगा। फिलहाल आगरा से जयपुर तक का किराया करीब 80 रुपए है।